

## केरल के पाँच कृषि उत्पादों को जीआई दर्जा

केरल के पाँच कृषि उत्पादों- अट्टापडी अट्टुकोम्बु अवारा, अट्टापडी थुवारा, ओनाटुकारा एलु, कंथल्लूर-वट्टावदा वेलुथुल्ली और कोडुंगल्लूर पोट्टुवेलारी को **भौगोलिक संकेत (GI)** का दर्जा प्रदान किया गया है।

- असम के गमोसा (पारंपरिक कपड़ा), महाराष्ट्र के अलीबाग सफेद प्याज, लद्दाख के रक्तसे कारपो खुबानी और तेलंगाना के तंदूर रेडग्राम को भी हाल ही में जीआई टैग मिला है।

### नवीनतम GI के बारे में मुख्य बट्टि:

#### ■ अट्टापडी अट्टुकोम्बु अवारा (बीन्स):

- जैसा कि इसके नाम से संकेत मलिता है, यह बकरी के सींग की तरह घुमावदार होती है।
- अन्य डोलचिस बीन्स की तुलना में इसकी उच्च एंथोसायननि सामग्री तने और फलों में बैंगनी रंग प्रदान करती है।
  - एंथोसायननि अपने एंटीडायबटिकि गुणों के साथ हृदय रोगों के खिलाफ मददगार है।
- अट्टापडी अट्टुकोम्बु अवारा की उच्च फेनोलिक सामग्री कीट और रोगों के खिलाफ प्रतरोध प्रदान करती है, जिससे फसल जैविक खेती के लिये उपयुक्त हो जाती है।

#### ■ अट्टापडी थुवारा (लाल चना):

- इसके बीज सफेद आवरण वाले होते हैं।
- अन्य लाल चने की तुलना में अट्टापडी थुवारा के बीज बड़े होते हैं और बीज का वजन अधिक होता है।

#### ■ ओनाटुकारा एलु (तलि):

- ओनाटुकारा एलु और इसका तेल अपने अनोखे स्वास्थ्य लाभों के लिये प्रसिद्ध है।
- ओनाटुकारा एलु में अपेक्षाकृत उच्च एंटीऑक्सीडेंट सामग्री मुक्त मूलकों से लड़ने में मदद करती है, जो शरीर की कोशिकाओं को नष्ट कर देते हैं।
- साथ ही असंतृप्त वसा की उच्च सामग्री इसे हृदय रोगियों के लिये फायदेमंद बनाती है।

#### ■ कंथल्लूर-वट्टावदा वेलुथुल्ली (लहसुन):

- अन्य कषेत्रों में उत्पादित लहसुन की तुलना में इस लहसुन में सल्फाइड, फ्लेवोनोइड्स, प्रोटीन की मात्रा अधिक होती है और यह आवश्यक तेल से भी भरपूर होता है।
- यह एलसिनि से भरपूर होता है, जो माइक्रोबियल संक्रमण, ब्लड शुगर, कैंसर आदिके खिलाफ प्रभावी है।

#### ■ कोडुंगल्लूर पोट्टुवेलारी (सनैपमेलन):

- गर्मियों में काटे जाने वाले इस सनैप तरबूज में वटामिन C की उच्च मात्रा होती है।
- अन्य कुकुरबटिस की तुलना में कोडुंगल्लूर पोट्टुवेलारी में कैल्शियम, मैग्नीशियम, फाइबर और वसा की मात्रा जैसे पोषक तत्व भी अधिक होते हैं।

## UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न:

प्रश्न: नमिनलखिति में से कसि 'भौगोलिक संकेतक' का दर्जा प्रदान किया गया है? (2015)

1. बनारस के जरी वस्त्र एवं साड़ी
2. राजस्थानी दाल-बाटी-चूरमा
3. तरिपतलिड्डू

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2 और 3
- (c) केवल 1 और 3
- (d) 1, 2 और 3

उत्तर: C

व्याख्या:

- भौगोलिक संकेतक (Geographical Indication) का इस्तेमाल ऐसे उत्पादों के लिये किया जाता है, जिनका एक विशिष्ट भौगोलिक मूल क्षेत्र होता है।
- दार्जलिंग चाय जीआई टैग पाने वाला भारत का पहला उत्पाद था।
- बनारस जरी वस्त्र और साड़ी एवं तड़ितपतलिलड्डू को जीआई टैग मिला है, जबकि राजस्थान की दाल-बाटी-चूरमा को नहीं। अतः कथन 1 और 3 सही हैं।

अतः विकल्प (C) सही है।

स्रोत: द द्रि

PDF Reference URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/gi-status-for-keralas-five-agricultural-products>

